स्थलों की सुरक्षा चाकचौबंद कर दी गई है। 15 अगस्त को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को नो फ्लाई जोन होगा। लाल किले के आसपास के क्षेत्र में यातायात पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। संभावित हवाई हमलों को नाकाम करने के लिए मानवरहित विमान तैनात होंगे तथा सामरिक महत्व के स्थानों पर विमान भेदी तोपें भी तैनात की जाएंगी।

गृह मंत्रालय में रविवार को हुई खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों की उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा के अलावा कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में परमाणु संयंत्रों सहित प्रमुख स्थानों पर आतंकवाद

निरोधी दस्तों की तैनाती का फैसला किया गया है। केंद्र सरकार पाक प्रशिक्षित कश्मीरी आतंकियों के हमलों

गड़बड़ी नहीं करें।

स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री जिस समय लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे, सुरक्षा के प्रबंध बेहद कड़े होंगे। खुफिया एजेंसियों को सूचना मिली है कि आतंकवादी प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की समाधि शांतिवन, चांदनी चौक क्षेत्र और लाल किले में आत्मघाती हमला कर सकते हैं। इसके मद्देनजर लाल किले की कमान एनएसजी और आईटीबीपी के कमांडो को सौंपी गई है। दिल्ली की कई संवेदनशील ऊंची इमारतों में शार्प शूटर तैनात किए गए हैं।

अब आसान न होगा पहचान छिपाना

आईआईटी में तैयार हो रहा है मल्टी मॉडल बायोमेट्रिक सिस्टम

कानपुर। अब पहचान छिपाकर किसी को धोखा देना फितरती लोगों और आतंकवादियों के लिए आसान नहीं होगा। वे आसानी से सुरक्षा एजेंसियों की पकड़ में आ जाएंगे। हर व्यक्ति की अपनी एक पहचान होगी, जिसे बदलना संभव नहीं हो सकेगा। सही व्यक्ति की पहचान के लिए आईआईटी कानपुर में 'मल्टी मॉडल बायोमेटिक सिस्टम' तैयार किया जा रहा है। भारत सरकार के इंफार्मेशन टेक्नालॉजी डिपार्टमेंट का यह प्रोजेक्ट 2008 तक पूरा हो जाएगा। हर व्यक्ति की पहचान और उसका डाटा बैंक तैयार करने का काम काफी हद तक पूरा हो चुका है। इसके बाद इसे भारत सरकार को सौंप दिया जाएगा। इसका उपयोग बैंक, एयरपोर्ट, रक्षा संस्थानों, फैक्ट्रियों, बड़े बड़े क्लास रूमों और खास सुरक्षा वाले स्थानों में हो सकेगा।

तैयारी

- ऑर्डीनेंस फैक्ट्रियों के अलावा एयरपोर्ट में होगा खास कारगर
- पैन, एटीएम, बैंक खाते और डीएल में इमेज फीडिंग
- आंख, साइन, फिंगर प्रिंट और चेहरा बनेगा पहचान

देश में बढ़ती आतंकी घटनाओं और घुसपैठ ने देश के लिए सिरदर्द बढ़ा दिया, तमाम सुरक्षा एजेंसियों को धता बता कर जिस तरह से देश को तबाह करने की कोशिश की जा रही है उससे निपटने के लिए सरकार हर संभव कोशिश कर रही है। इससे निपटने के लिए आईटी का भरपूर उपयोग किया जा रहा है। सही व्यक्ति की पहचान और धोखाधड़ी रोकने के इरादे से आईआईटी कानपुर का बायो इंफार्मेटिक्स विभाग के प्रमुख डा. फाल्गुनी गुप्ता के अनुसार 'मल्टी मॉडल बायोमेट्रिक सिस्टम' तैयार किया जा रहा है, जिसमें लोगों की व्यक्तिगत पहचान दर्ज की जाएगी। पहचान भी ऐसी होगी उसे बदला नहीं जा सकेगा। कोई व्यक्ति अपने को भले ही बदल दे पर उसकी आंख की रैटीना, फिंगर प्रिंट, कान और चेहरा नहीं बदलेगा। हस्ताक्षर भी बदलना कठिन होता है। इनमें से कोई न कोई पहचान हूबहू मिल जाएगी, जिससे उसकी शिनाख्त हो सकेगी। इस सिस्टम में व्यक्ति की इन्हीं पहचान को कंप्यूटर में कैद किया जा रहा है। आम तौर पर देखा जाता है कि यदि व्यक्ति का कोई फोटो एक साल के अंतर पर लिया जाए तो उसमें कुछ न कुछ परिवर्तन जरूर हो जाता है इसी ▶ शेष पेज-10 पर